भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 5383
गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

राजा भोज विमानपत्तन से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें तथा सिंगरौली में विमानपत्तन का निर्माण

5383. डॉ. राजेश मिश्राः
श्री आलोक शर्माः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का भोपाल के राजा भोज विमानपत्तन से अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें, विशेषकर दुबई और सिंगापुर के लिए, शुरू करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का सिंगरौली में वाणिज्यिक विमानपत्तन के निर्माण का कोई प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): एयरलाइनों का अंतर्राष्ट्रीय परिचालन भारत और संबंधित देश के बीच द्विपक्षीय हवाई सेवा समझौते (एएसए) द्वारा नियंत्रित होता है। एएसए के अनुसार, भारतीय नामित वाहक परस्पर सहमत क्षमता सीमा के अनुसार विदेशी गंतव्यों के लिए भारत में किसी भी स्थान के लिए/स्थान से परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं, जबकि कोई भी नामित विदेशी एयरलाइन भारत में किसी स्थान के लिए/स्थान से परिचालन कर सकती है, यदि उसे एएसए में प्वाइंट ऑफ कॉल के रूप में नामित किया गया हो।

भारत में किसी भी स्थान से सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आरंभ करना पूर्ण रूप से यात्री मांग, स्लॉट की उपलब्धता, मार्ग की आर्थिक व्यवहार्यता और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर अनुसूचित एयरलाइनों का वाणिज्यिक निर्णय है। सरकार एयरलाइनों की परिचालन योजनाओं में हस्तक्षेप नहीं करती है।

(ग) और (घ): भारत सरकार ने दो चरणीय अनुमोदन प्रक्रिया, अर्थात 'साइट क्लीयरेंस' और तत्पश्चात 'सैद्धांतिक' अनुमोदन के माध्यम से देश में नए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों के विकास के लिए ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा (जीएफए) नीति, 2008 तैयार की है। भारत सरकार ने मध्य प्रदेश के सिंगरौली में ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास के लिए एमडी रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड को 'साइट क्लीयरेंस' प्रदान की है।

इसके अतिरिक्त, नागर विमानन मंत्रालय ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) – उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) आरंभ की है, जिसका उद्देश्य आम जनता के लिए हवाई यात्रा को किफायती बनाकर देश के छोटे शहरों और दूरस्थ क्षेत्रों में हवाई सेवाओं के विस्तार हेतु असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों से क्षेत्रीय हवाई संपर्क को प्रोत्साहित करना है। 'उड़ान' बाजार-संचालित सतत योजना है, जिसके तहत अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के दौर आयोजित किए जाते हैं।

सिंगरौली में एक हवाईपट्टी है, जो आरसीएस-उड़ान के अंतर्गत असेवित हवाईअड्डों की सूची में उपलब्ध है। तथापि, अभी तक किसी भी एयरलाइन बोलीदाता ने सिंगरौली हवाईपट्टी से आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया है।

******